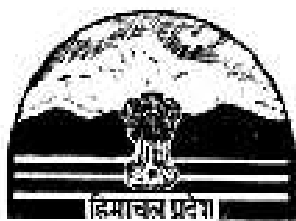


रजिस्टर्ड नं० HP/13/SML-2008.



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, मंगलवार, 24 फरवरी, 2009/5 फाल्गुन, 1930

हिमाचल प्रदेश ग्यारहवीं विधान सभा

अधिसूचना

शिमला—171 004, 18 फरवरी, 2009

संख्या वि० स०—लैज—गवर्नमेंट बिल/1-9/2009.—हिमाचल प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमावली, 1973 के नियम 140 के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश खेल (संगमों का रजिस्ट्रीकरण, मान्यता और विनियमन) निरसन विधेयक, 2009 (2009 का विधेयक संख्यांक 3) जो आज

1252—राजपत्र/2009—24—2—2009

(7825)

दिनांक 18 फरवरी, 2009 को हिमाचल प्रदेश विधान सभा में पुरःस्थापित हो चुका है, सर्वसाधारण की सूचनार्थ राजपत्र में मुद्रित करने हेतु प्रेषित किया जाता है।

गोवर्धन सिंह,
सचिव,
हिमाचल प्रदेश विधान सभा।

हिमाचल प्रदेश खेल (संगमों का रजिस्ट्रीकरण, मान्यता और विनियमन) निरसन विधेयक, 2009

(विधान सभा में पुरःस्थापित रूप में)

हिमाचल प्रदेश खेल (संगमों का रजिस्ट्रीकरण, मान्यता और विनियमन) अधिनियम, 2005 (2005 का अधिनियम संख्यांक 13) का निरसन करने के लिए **विधेयक।**

भारत गणराज्य के साठवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :—

1. इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश खेल (संगमों का रजिस्ट्रीकरण, मान्यता और विनियमन) निरसन अधिनियम, 2009 है।

2. (1) हिमाचल प्रदेश खेल (संगमों का रजिस्ट्रीकरण, मान्यता और विनियमन) अधिनियम, 2005 (जिसे इसमें इसके पश्चात् “मूल अधिनियम” कहा गया है) का एतद्वारा निरसन किया जाता है।

2005 के
अधिनियम
संख्यांक 13
का निरसन
और व्यावृत्ति।

(2) मूल अधिनियम का निरसन निम्नलिखित को प्रभावित नहीं करेगा—

- (क) मूल अधिनियम का पूर्व प्रवर्तन या तद्धीन सम्यक् रूप से की गई या होने दी गई किसी बात, या
- (ख) मूल अधिनियम के अधीन अर्जित, प्रोद्भूत या उपगत किसी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यता या दायित्व, या
- (ग) मूल अधिनियम के अधीन किए गए किसी अपराध के सम्बन्ध में उपगत किसी शास्ति, समपहरण या दण्ड, या
- (घ) यथापूर्वोक्त ऐसे किसी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यता, दायित्व, शास्ति, समपहरण या दण्ड की बाबत किसी अन्वेषण, विधिक कार्यवाही या उपचार,

और ऐसा कोई अन्वेषण, विधिक कार्यवाही या उपचार संस्थित, चालू या प्रवर्तनशील रखा जा सकेगा; और ऐसी कोई शास्ति, समपहरण या दण्ड अधिरोपित किया जा सकेगा, मानो मूल अधिनियम निरसित न किया गया हो।

उद्देश्यों और कारणों का कथन

हिमाचल प्रदेश खेल (संगमों का रजिस्ट्रीकरण, मान्यता और विनियमन) अधिनियम, 2005 हिमाचल प्रदेश राज्य में खेल संगमों के रजिस्ट्रीकरण, मान्यता और विनियमन का उपबन्ध करने, खेल संगमों के खेल क्रियाकलापों और कार्यकलापों को सुकर बनाने तथा विनियमित करने तथा हिमाचल प्रदेश राज्य का प्रतिनिधित्व करने के अधिकार को मान्यता प्रदान करने और विनियमित करने हेतु उपबन्ध करने के लिए हिमाचल प्रदेश राज्य में 20-04-2005 को अधिनियमित किया गया था। भारतीय ओलम्पिक संघ ऐसे विधान का पुरजोर विरोध करता आ रहा था और इसने राष्ट्रीय संघों (नेशनल फेडरेशन) को, ऐसे राज्यों में, जिन्होंने ऐसा विधान लाया है, राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताएं न करवाए जाने हेतु आवश्यक निदेश जारी किए हैं तथा अधिनियम के अन्तर्गत रजिस्ट्रीकृत किसी भी टीम या खिलाड़ियों को संघ (फेडरेशन) द्वारा राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा। हिमाचल प्रदेश खेल परिषद् के साथ रजिस्ट्रीकृत विभिन्न अन्य खेल संगमों ने भी उक्त अधिनियम को निरसित करने का अनुरोध किया है। इसलिए उपरोक्त अधिनियम को निरसित करने का विनिश्चय किया गया है।

यह विधेयक उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए है।

प्रो० प्रेम कुमार धूमल,
मुख्य मंत्री।

शिमला :

तारीख , 2009

वित्तीय ज्ञापन

—शून्य—

प्रत्यायोजित विधान सम्बन्धी ज्ञापन

—शून्य—

Bill No. 3 of 2009

**THE HIMACHAL PRADESH SPORTS (REGISTRATION,
RECOGNITION AND REGULATION OF ASSOCIATIONS)
REPEAL Bill, 2009**

(AS INTRODUCED IN THE LEGISLATIVE ASSEMBLY)

A

BILL

*to repeal the Himachal Pradesh Sports (Registration,
Recognition and Regulation of Associations) Act, 2005 (Act No. 13 of
2005).*

BE it enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in
the Sixtieth Year of the Republic of India as follows:—

1. This Act may be called the Himachal Pradesh Sports (Registration, Recognition and Regulation of Associations) Repeal Act, 2009. Short title.

2. (1) The Himachal Pradesh Sports (Registration, Recognition and Regulation of Associations) Act, 2005 (hereinafter referred to as the principal Act) is hereby repealed. Repeal of Act No. 13 of 2005 and saving.

(2) The repeal of the principal Act shall not affect—

- (a) The previous operation of, or anything duly done or suffered under the principal Act, or
- (b) Any right, privilege or obligation or liability acquired, accrued or incurred under the principal Act, or
- (c) Any penalty, forfeiture or punishment incurred in respect of any offence under the principal Act, or
- (d) Any investigation, legal proceedings or remedy in respect of any such right, privilege, obligation, liability, penalty, forfeiture or punishment as aforesaid,

and any such investigation, legal proceeding or remedy may be instituted, continued or enforced; and any such penalty, forfeiture or punishment may be imposed as if the principal Act had not been repealed.

STATEMENT OF OBJECTS AND REASONS

The Himachal Pradesh Sports (Registration, Recognition and Regulation of Associations) Act, 2005 was enacted in the State of Himachal Pradesh on 20-4-2005, with a view to provide for Registration, Recognition and Regulation of Sports Associations, to facilitate and regulate the sports activities and affairs of the Sports Associations in the State of Himachal Pradesh and to provide for recognition and regulations of the right to represent the State of Himachal Pradesh. The Indian Olympic Association has been strongly opposing such legislation and has issued necessary directions to the National Federations not to allot National Championships to those States, that have brought such legislation and, any team or players registered under the Act will not be allowed by the Federation to participate in National/International championships. Various other Sports Associations registered with the Himachal Pradesh Sports Council have also requested to repeal the said Act. Thus, it has been decided to repeal the Act *ibid*.

This Bill seeks to achieve the aforesaid objectives.

(PROF. PREM KUMAR DHUMAL)

Chief Minister.

SHIMLA :

THE2009.

FINANCIAL MEMORANDUM

-Nil-

MEMORANDUM REGARDING DELEGATED LEGISLATION

-NIL-

हिमाचल प्रदेश ग्यारहवीं विधान सभा

अधिसूचना

शिमला-171 004, 19 फरवरी, 2009

संख्या वि० स०-लैज-गवर्नमेंट बिल/1-12/2009.—हिमाचल प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमावली, 1973 के नियम 140 के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश युद्ध पुरस्कार (संशोधन) विधेयक, 2009 (2009 का विधेयक संख्यांक 5) जो आज दिनांक 19 फरवरी, 2009 को हिमाचल प्रदेश विधान सभा में पुरःस्थापित हो चुका है, सर्वसाधारण की सूचनार्थ राजपत्र में मुद्रित करने हेतु प्रेषित किया जाता है।

आदेश द्वारा,

गोवर्धन सिंह,

सचिव,

हिमाचल प्रदेश विधान सभा।

हिमाचल प्रदेश युद्ध पुरस्कार (संशोधन) विधेयक, 2009

(विधान सभा में पुरःस्थापित रूप में)

हिमाचल प्रदेश युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1972 (1972 का अधिनियम संख्यांक 9) का और संशोधन करने के लिए **विधेयक**।

भारत गणराज्य के साठवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :—

1. इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश युद्ध पुरस्कार संक्षिप्त नाम। (संशोधन) अधिनियम, 2009 है।

1972 का 9

2. हिमाचल प्रदेश युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1972 की धारा 3 के धारा 3 का स्थान पर निम्नलिखित धारा रखी जाएगी, अर्थात्:— प्रतिस्थापन।

“3. **युद्ध जागीरों का सृजन.**—तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, सरकार को किसी पात्र व्यक्ति को प्रतिवर्ष दो हजार रुपए के मूल्य की युद्ध जागीर प्रदान करने की शक्ति होगी।”।

उद्देश्यों और कारणों का कथन

हिमाचल प्रदेश युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1972 की धारा 3 उन बच्चों, जिन्होंने भारत के संविधान के अनुच्छेद 352 के अधीन भारत के राष्ट्रपति द्वारा 26 अक्टूबर, 1962 और 3 दिसम्बर, 1971 को घोषित राष्ट्रीय आपात के दौरान सशस्त्र बलों में सेवा की है, के माता-पिता को 900/—रुपए प्रतिवर्ष के मूल्य की युद्ध जागीर देने और उन बच्चों, जो द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान महामहिम (हिज मजेस्टी) के बलों में भर्ती किए गए थे या कमीशनड किए गए थे, के माता-पिता को 600/— रुपए प्रतिवर्ष के मूल्य की युद्ध जागीर देने का उपबन्ध करती है। जहां तीन से अधिक बच्चों ने सेवा की है या सेवा कर रहे हैं, उस दशा में, क्रमशः प्रतिवर्ष 300/— रुपए और 60/— रुपए की अतिरिक्त रकम, ऐसे प्रत्येक अतिरिक्त बच्चे के लिए संदत्त की जा रही है। कीमतों में अत्याधिक वृद्धि हुई है, इसलिए सभी पात्र व्यक्तियों के लिए, बच्चों की संख्या के आधार पर भेदभाव किए बिना, युद्ध जागीर की रकम/मूल्य को बढ़ाकर 2000/— रुपए प्रतिवर्ष करने का विनिश्चय किया गया है।

यह विधेयक उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए है।

(प्रो० प्रेम कुमार धूमल)
मुख्य मन्त्री।

शिमला :

तारीख :, 2009

वित्तीय ज्ञापन

विधेयक का खण्ड 2, हिमाचल प्रदेश युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1972 के अधीन समस्त पात्र व्यक्तियों के लिए बच्चों की संख्या के आधार पर भेदभाव किए बिना, युद्ध जागीर के मूल्य को बढ़ाकर दो हजार रुपए प्रतिवर्ष करने के लिए उपबन्ध करता है। प्रस्तावित बढ़ौतरी के कारण प्राक्कलित व्यय का निर्धारण नहीं किया जा सकता क्योंकि पूर्वोक्त अनुदान के लिए आवेदकों की संख्या समय-समय पर बदलती रहती है। तथापि, यदि पुरस्कृतों की वर्तमान संख्या में कोई वृद्धि नहीं होती है, तो राजकोष से प्रतिवर्ष लगभग 20,17,400/— रुपए (बीस लाख सतरह हजार चार सौ रुपए) का अतिरिक्त व्यय अन्तर्वलित होगा।

प्रत्यायोजित विधान सम्बन्धी ज्ञापन

— शून्य—

भारत के संविधान के अनुच्छेद 207 के अधीन राज्यपाल की सिफारिशें

(नस्ति संख्या: एस.डब्ल्यू.डी.(एफ) 4-9/2006)

हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश युद्ध पुरस्कार (संशोधन) विधेयक, 2009 की विषय वस्तु के बारे में सूचित किए जाने के पश्चात्, भारत के संविधान के अनुच्छेद 207 के अधीन विधेयक को विधान सभा में पुरःस्थापित करने और उस पर विचार करने की सिफारिश करती हैं।

Bill No. 5 of 2009

**THE HIMACHAL PRADESH WAR AWARDS (AMENDMENT)
BILL, 2009**

(AS INTRODUCED IN THE LEGISLATIVE ASSEMBLY)

A

BILL

*further to amend the Himachal Pradesh War Awards Act, 1972
(Act No.9 of 1972).*

BE it enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in
the Sixtieth Year of the Republic of India as follows:—

Short title. **1.** This Act may be called the Himachal Pradesh War Awards
(Amendment) Act, 2009.

Substitution
of section
3. **2.** For section 3 of the Himachal Pradesh War Awards Act, 1972, (9 of 1972)
the following section shall be substituted, namely:—

“3. *Creation of War Jagirs.*—Notwithstanding anything contained
in any other law for the time being in force, the Government shall
have the power to grant to an eligible person a War Jagir of the value
of two thousand rupees per annum.”.

STATEMENT OF OBJECTS AND REASONS

Section 3 of the Himachal Pradesh War Awards Act, 1972 provides for the grant of War Jagirs of the value of Rs. 900/- per annum to the parents whose children have served in the Armed Forces during the National Emergency declared by the President of India under article 352 of the Constitution of India on 26th October, 1962 and 3rd December, 1971 and the grant of War Jagir of the value of Rs. 600/- per annum to the parents whose children were enrolled or commissioned for service in His Majesty's Forces during the Second World War. In the case where more than three children have served or are serving, an additional amount of Rs. 300/- and Rs. 60/- per annum is respectively being paid for every such additional child. Further, there has been steep rise in prices. It has, therefore, been decided to enhance the value of War Jagir to Rs. 2,000/- per annum for all the eligible persons without any distinction on the basis of number of children.

This Bill seeks to achieve the aforesaid objective.

(PROF. PREM KUMAR DHUMAL)

Chief Minister.

Shimla :

The....., 2009.

FINANCIAL MEMORANDUM

Clause 2 of the Bill seeks to make the provision for the increase the value of War Jagir payable under the Himachal Pradesh War Awards Act. 1972 to 2,000/- per annum for all the eligible persons without any distinction on the basis of number of children. The estimated expenditure due to proposed increase can not be assessed as the number of the applicants for the aforesaid grant continues to vary from time to time. However, if there is no increase in the present number of awardees the additional expenditure involved would be Rs. 20,17,400/- per annum approximately from the State Ex-chequer.

MEMORANDUM REGARDING DELEGATED LEGISLATION

-Nil-

**RECOMMENDATIONS OF THE GOVERNOR UNDER ARTICLE
207 OF THE CONSTITUTION OF INDIA**

(FILE NO. SWD-(F)4-9/2006)

The Governor of Himachal Pradesh, having been informed of the subject matter of the Himachal Pradesh War Awards (Amendment) Bill, 2009 recommends, under article 207 of the Constitution of India, the introduction and consideration of the Bill in the Legislative Assembly.

**In the Court of Shri Subh Karan Singh, H. A. S. Marriage Officer-cum-Sub-Divisional
Magistrate Dalhousie**

In the matter of :

1. Shri Sagar Negi son of Shri Rabzar Negi, r/o Forest Lodge Bus Stand Dalhousie, Tehsil Dalhousie, District Chamba (H. P.).

2. Dechen Namgyal d/o Shri Tashi Phuntsok, r/o Village Tibetan Market Bus Stand Dalhousie, Tehsil Dalhousie, District Chamba (H. P.) .
.. *Applicants.*

Versus

General Public

Subject.—Application for the registration of Marriage under section 16 of the Special Marriage Act, 1954.

Shri Sagar Negi and Smt. Dechen Namgyal have filed an application alongwith an affidavit in the court of undersigned under section 16 of the Special Marriage Act, 1954 that they have solemnized their marriage on 22nd June, 2007 and that they have been living together as husband and wife since then. Hence their marriage may be registered under Special Marriage, Act 1954.

Therefore, the general public is hereby informed through this notice that any person who has any objection regarding this marriage can file an objection personally or in writing before this court on or before 10th March, 2009. After that no objection will be entertained and marriage will be registered.

Seal.

SUBH KARAN SINGH,
H.A. S.,
*Marriage Officer-cum-Sub-Divisional Magistrate,
Dalhousie, District Chamba (H. P.).*

**In the Court of Shri Subh Karan Singh, Sub-Divisional Magistrate Dalhousie, District
Chamba (H. P.)**

Shri Prithvi Raj son of Shri Kirpa Ram, r/o Middle Bakrota Dalhousie, Tehsil Dalhousie, District Chamba (H. P.)
..*Applicant.*

Versus

General Public

Notice under section 13 (3) of the Birth and Death Registration Act.

Whereas Shri Prithvi Raj son of Shri Kirpa Ram, r/o Middle Bakrota Dalhousie, Tehsil Dalhousie, District Chamba (H. P.) has filed an application alongwith an affidavit regarding the registration of date of birth of his daughter namely Shivani *i. e.* on 9-7-2003 for entry in the record of concerned Municipal Council, Dalhousie, thereof.

Hence, this notice is issued to the General Public that if any one has any objection/Claim regarding the registration of date of birth of his daughter in the concerned Municipal Council, they may file their claim/objections on or before the 12th March, 2009 in this court failing which necessary orders will be passed to the concerned Municipal Council, Dalhousie for registration.

Given today 13-2-2009 under my signature and seal of this Court.

Seal.

SUBH KARAN SINGH,
H.A. S.,
Sub-Divisional Magistrate,
Dalhousie, District Chamba (H. P.).

ब अदालत श्री नरेन्द्र कुमार जसवाल, नायब तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी
सुजानपुर, तहसील सुजानपुर, जिला हमीरपुर (हि0 प्र0)

मिसल नम्बर

1 / 09

श्री सुरेश चन्द पुत्र श्री जनक सिंह, निवासी वनालग, मौजा लगवालती, तहसील हमीरपुर, जिला
हमीरपुर (हि0 प्र0) . . प्रार्थी ।

बनाम

आम जनता

. . प्रत्यार्थी ।

प्रार्थना—पत्र बराये नाम दुरुस्ती ।

श्री सुरेश चन्द पुत्र श्री जनक सिंह ने इस अदालत में दिनांक 30-7-2008 को एक प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत करके अनुरोध किया है कि उसके पिता का नाम पंचायत रिकार्ड व समस्त रिकार्डों में जनक सिंह है तथा कागजात माल में मकन्दू दर्ज है। प्रार्थी का कहना है कि यह दोनों नाम उसी के पिता के हैं। प्रार्थी अब दुरुस्ती करवाकर राजस्व रिकार्ड में अपने पिता का नाम मकन्दू उर्फ जनक सिंह दर्ज करवाना चाहता है।

अतः इस इशतहार द्वारा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अगर किसी को उपरोक्त प्रार्थी के पिता के नाम दुरुस्ती बारा कोई एतराज हो तो वह दिनांक 9-3-2009 को सुबह 10.00 बजे इस अदालत में असालतन या वकालतन अपना एतराज हाजिर आकर पेश कर सकता है। अन्यथा गैरहाजरी की सूरत में एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

आज दिनांक 10-2-2009 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

नरेन्द्र कुमार जसवाल,
नायब तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी सुजानपुर,
तहसील सुजानपुर, जिला हमीरपुर (हि0 प्र0)।

ब अदालत नायब तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी सुजानपुर, तहसील सुजानपुर
(हि0 प्र0)

मिसल नम्बर

2 / 09

श्री भूप सिंह पुत्र श्री जोधा, टीका वजरोल, डाकघर वजरोल, तहसील सुजानपुर, जिला
हमीरपुर (हि0 प्र0) . . प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

प्रार्थना-पत्र बराये नाम दुरुस्ती ।

श्री भूप सिंह पुत्र श्री जोधा ने इस अदालत में दिनांक 10-2-2009 को एक प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत करके अनुरोध किया है कि उसका नाम पंचायत रिकार्ड व स्कूल प्रमाण-पत्र में भूप सिंह दर्ज है तथा कागजात माल में मस्तो दर्ज है। प्रार्थी का कहना है कि यह दोनों नाम उसी के ही हैं प्रार्थी अब दुरुस्ती करवाकर मस्तो उर्फ भूप सिंह दर्ज करवाना चाहता है।

अतः इस इशतहार राजपत्र द्वारा जन साधारण को सूचित किया जाता है कि अगर किसी को उपरोक्त प्रार्थी के नाम दुरुस्ती बारा कोई एतराज हो तो वह दिनांक 9-3-2009 को सुबह 10.00 बजे इस अदालत में असालतन या वकालतन अपना एतराज पेश कर सकता है। अन्यथा गैरहाजरी की सूरत में एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

आज दिनांक 11-2-2009 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित / -

नायब तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी,
सुजानपुर, तहसील सुजानपुर (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्री मनोहर लाल, तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता, प्रथम श्रेणी, सुजानपुर, तहसील
सुजानपुर, जिला हमीरपुर (हि0 प्र0)

सर्वश्रीमती कुन्ती देवी, शान्ति देवी, रोशनी देवी, सागरी देवी, केहरो देवी, कौशल्या देवी,
कशमीरा देवी, शकुन्तला देवी पुत्रीगण श्री रेलू, टीका सुजानपुर, मौजा भलेठ, तहसील सुजानपुर
(हि0 प्र0) . . प्रार्थीगण।

बनाम

श्री भुरो, श्री वल्लो, श्री भुक्कर पुत्रगण श्री भगत, श्री प्रीतो, श्री धर्मू पुत्रगण श्री दीवाना,
शुशीला देवी पुत्री श्री दीवाना, टीका सुजानपुर, मौजा भलेठ, तहसील सुजानपुर, जिला हमीरपुर
(हि0 प्र0) . . फरीकदोयम।

प्रार्थना-पत्र बराये तकसीम अराजी खाता नम्बर 369, खसरा नम्बर 1868, रकवा ता0 15 कनाल 3 मरला, टीका सुजानपुर, मौजा भलेट, तहसील सुजानपुर, जिला हमीरपुर (हि0 प्र0)।

श्रीमती कुन्ती देवी आदि पुत्री श्री रेलू, टीका सुजानपुर ने उपरोक्त भूमि की तकसीम के लिए इस अदालत में एक प्रार्थना-पत्र दे रखा है। इस अदालत द्वारा श्रीमती शुशीला देवी फरीकदोयम को कई बार समन जारी किये गये। मगर इस पर समन की तामिल हस्ब जाबता को न हो रही है। मुताविक रिपोर्ट तामिल कुन्निदा यह कहीं दूसरी जगह रिहायश करती है प्रार्थी का कहना है कि उसे इसका पता नहीं मिल रहा है। इसलिए उसने गुजारिश की है कि इसे बजरिया इश्तहार राजपत्र द्वारा तत्व किया जाये। इस अदालत को विश्वास हो चुका है कि उपरोक्त फरीकदोयम पर साधारण तरीके से तामिल नहीं हो सकती है।

अतः उपरोक्त फरीकदोयम को इस इश्तहार राजपत्र द्वारा सूचित किया जाता है कि अगर उन्हें उपरोक्त अराजी की तकसीम बारा कोई एतराज हो तो वह दिनांक 23-3-2008 को सुबह 10.00 बजे इस अदालत में असातन या वकालतन हाजिर आकर अपना एतराज पेश कर सकता है। अन्यथा गैर हाजरी की सूरत में एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

आज दिनांक 7-2-2009 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर सहित अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

मनोहर लाल,
तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता, प्रथम श्रेणी, सुजानपुर,
तहसील सुजानपुर, जिला हमीरपुर (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्री मनोहर लाल, तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता, प्रथम श्रेणी, सुजानपुर, तहसील सुजानपुर, जिला हमीरपुर (हि0 प्र0)

श्रीमती मन्जू देवी पत्नी श्री कुलवन्त सिंह, टीका सुजानपुर, मौजा भलेट, तहसील सुजानपुर (हि0 प्र0) . . प्रार्थी।

बनाम

1. श्री नरेन्द्र कुमार, 2. श्री वरेन्द्र कुमार, 3. श्री सुरेन्द्र कुमार पुत्रगण श्री ओंकार चन्द,
4. वीना कुमारी पुत्री श्री ओंकार चन्द, 5. श्री मेहर चन्द, 6. श्री ईशवर दास, 7. श्री सुंका राम,
8. जगो देवी, 9. शान्ति देवी, 10. शीला देवी, 11. जगतम्बा देवी, 12. सुरेन्द्रा देवी, 13. दानो देवी

पुत्रीगण गोदावरी, 14. गुडडी देवी पुत्री दानो देवी, 15. फकीर चन्द पुत्र श्री तुलसी राम, 16. श्री प्यारे लाल पुत्र श्री नरैण दास, 17. श्री रूप लाल, 18. श्री राम लाल पुत्रगण श्री फतुरी, 19. श्री रतन लाल, 20. श्री किशोरी लाल, 21. श्री हंस राज, 22. श्री जोगीन्द्र पाल पुत्रगण श्री अजुदया दास, 23. श्री खेमू बेवा श्री परस राम, 24. श्री सन्तोश कुमार पुत्र श्री जसोधा नन्द, टीका सुजानपुर, मौजा भलेठ, तहसील सुजानपुर, जिला हमीरपुर (हि0 प्र0) . . प्रतिवादीगण।

प्रार्थना—पत्र बरायें तकसीम अराजी खाता नम्बर 309, खसरा नम्बर 1436—1526—1527, कित्ता 3 रकवा ता0 3 कनाल 7 मरला, टीका सुजानपुर, मौजा भलेठ, तहसील सुजानपुर, जिला हमीरपुर (हि0 प्र0)।

श्रीमती मंजू देवी पत्नी श्री कुलवन्त सिंह ने उपरोक्त भूमि की तकसीम के लिए इस अदालत में एक प्रार्थना—पत्र दे रखा है। इस अदालत द्वारा श्री सुरेन्द्र कुमार, वीना कुमारी, मेहर चन्द, ईशवर दास, सुंका राम, जगो देवी, शान्ति देवी, शीला देवी, जगतन्वा देवी, सुरेन्द्र देवी, दानो देवी, गुडडी देवी, प्यारे लाल श्री रूप लाल, श्री राम लाल, श्री मदन लाल, श्री रतन लाल, श्री किशोरी लाल, श्री जोगीन्द्र पाल फरीकदोयम को कई बार समन जारी किये गये। मगर इस पर समन की तामिल हस्ब जाबता न हो रही है। मुताविक रिपोर्ट तामिल कुंन्निदा यह कहीं दूसरी जगह रिहायश करते हैं। प्रार्थी का कहना है कि उसे उनका पता नहीं मिल रहा है। इसलिए उसने गुजारिश की है कि इन्हें बजरिया इश्तहार राजपत्र द्वारा तत्व किया जाये। इस अदालत को विश्वास हो चुका है कि उपरोक्त फरीकदोयम पर साधारण तरीके से समन की तामिल नहीं हो सकती है।

अतः उपरोक्त फरीकदोयम को इस इश्तहार राजपत्र द्वारा सूचित किया जाता है कि अगर उन्हें उपरोक्त अराजी की तकसीम बारा कोई एतराज हो तो वह दिनांक 21—3—2009 को सुबह 10.00 बजे इस अदालत में असालतन या वकालतन हाजिर आकर मुकद्दमा की पैरवी करें। अन्यथा गैर हाजरी की सूरत में एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

आज दिनांक 5—2—2009 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर सहित अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

मनोहर लाल,
तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता, प्रथम श्रेणी, सुजानपुर,
तहसील सुजानपुर, जिला हमीरपुर (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्री हन्स राज भाटिया, तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता, प्रथम वर्ग, कोटखाई,
जिला शिमला (हि0 प्र0)

उनवान मुकद्दमा : नाम दरुस्ती

तारीख पेशी : 7-3-2009

श्री कर्म सिंह पुत्र श्री मिकर, वासी ग्राम नारगन, डाकघर कलबोग, तहसील कोटखाई, जिला शिमला (हि0 प्र0)।

बनाम

आम जनता

श्री कर्म सिंह पुत्र श्री मिकर, निवासी नारगन, डाकघर कलबोग, तहसील कोटखाई, जिला शिमला (हि0 प्र0) ने दरखास्त व सम्बन्धित कागजात सहित शपथ-पत्र दायर किया है कि उसका नाम राजस्व कागजात में करमू लिखा गया है जो गलत है उसका वास्तविक नाम कर्म सिंह सभी कागजात में दर्ज है इसकी दरुस्ती के आदेश चाहे हैं।

अतः इस इशतहार द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि उक्त नाम की दरुस्ती करने बारे किसी को कोई उजर या एतराज हो तो वह असालतन या वकालतन तारीख पेशी 7-3-2009 को सुबह 10.00 बजे हाजिर अदालत आकर उजर पेश कर सकता है, बसूरत गैरहाजरी एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी तथा दरुस्ती नाम का आदेश पारित कर दिया जावेगा।

यह इशतहार आज दिनांक 22-1-2009 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हन्स राज भाटिया,
तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता,
प्रथम वर्ग, कोटखाई, जिला शिमला (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्री हन्स राज भाटिया, तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता, प्रथम वर्ग, कोटखाई,
जिला शिमला (हि0 प्र0)

उनवान मुकद्दमा : नाम दरुस्ती

तारीख पेशी : 7-3-2009

श्री सोहन लाल पुत्र श्री रंठा राम, निवासी हिमरी, तहसील कोटखाई, जिला शिमला (हि० प्र०)।

बनाम

आम जनता

श्री सोहन लाल पुत्र श्री रंठा राम, निवासी हिमरी, ने दरखास्त सम्बन्धित कागजात सहित दायर की है कि उसके पुत्र का नाम राजस्व कागजात में बन्टी दर्शाया गया है जबकि उसका नाम पंचायत रिकार्ड में व स्कूल में राहुल है जोकि गलत है उसका वास्तविक नाम राहुल है इसकी दुरुस्ती के आदेश चाहे हैं।

अतः इस इशतहार द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि उक्त नाम की दुरुस्ती बारे किसी को कोई उजर या एतराज हो तो वह असालतन या वकालतन तारीख पेशी 7-3-2009 को सुबह 10.00 बजे हाजिर अदालत आकर उजर पेश कर सकता है, बसूरत गैरहाजरी एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी तथा दुरुस्ती नाम का आदेश पारित कर दिया जावेगा।

यह इशतहार आज दिनांक 22-1-2009 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हन्स राज भाटिया,
तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता,
प्रथम वर्ग, कोटखाई, जिला शिमला (हि० प्र०)।

ब अदालत श्री आर० सी० कटोच, तहसीलदार एवं राजस्व अधिकारी, तहसील बंगाणा,
जिला ऊना (हि० प्र०)

श्री अब्दुल मजीद पुत्र श्री धली पुत्र श्री साहिब उलदीन, निवासी महाल ननाबीं, तहसील
बंगाणा, जिला ऊना (हि० प्र०) . . प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

प्रार्थना—पत्र बाबत नाम दुरुस्ती कागजात माल।

श्री अब्दुल मजीद पुत्र श्री धली पुत्र श्री साहिब उलदीन, निवासी महाल ननाबीं, तहसील बंगाणा, जिला ऊना ने इस न्यायालय में एक प्रार्थना—पत्र प्रस्तुत किया है कि उसका नाम स्कूल प्रमाण—पत्र, पंचायत रिकार्ड में अब्दुल मजीद पुत्र श्री धली दुरुस्त दर्ज है, परन्तु कागजात माल में उसका नाम मजीद उलदीन पुत्र श्री धली गलत दर्ज चला आ रहा है। इसलिए उसका नाम कागजात माल में मजीद उलदीन की बजाए अब्दुल मजीद पुत्र श्री धली दुरुस्त दर्ज करने के आदेश पारित किए जावें।

अतः सर्वसाधारण को इस इशतहार मुनादी हिमाचल प्रदेश राजपत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त नाम दुरुस्ती बारे कोई आपत्ति या एतराज हो तो वह निर्धारित तिथि पेशी दिनांक 17—3—2009 को इस न्यायालय में प्रातः 10.00 बजे असागतन या वकालतन उपस्थित आकर अपनी आपत्ति या एतराज प्रस्तुत कर सकता है। हाजिर न आने की सूरत में नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 7—2—2009 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

आर० सी० कटोच,
तहसीलदार एवं राजस्व अधिकारी,
तहसील बंगाणा, जिला ऊना (हि० प्र०)।

HIGHER EDUCATION DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 21st February, 2009

No. Kha (2)3/84-Shiksha-Ka-Loose.— As required under Para 3.1 (a) of the guidelines issued by the UGC for Accreditation of Tests for Eligibility for Lecturership, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to appoint the Chairman, H.P. Public Service Commission, Shimla-171002 as Chairman of the Steering Committee for the conduct of State Eligibility Test for recruitment of Lecturers College Cadre, for a period of three years from the date of the notification.

By order,
P.C. DHIMAN,
Pr. Secretary.

